8. पुरुष या स्त्री (लिंग)

हिंदी भाषा में प्रत्येक शब्द का एक लिंग निर्धारित किया गया है। प्रत्येक शब्द चाहे वह सजीव हो या निर्जीव वस्तु, वह पुरुष या स्त्री जाति के होने का संकेत देता है। शब्दों के पुरुष या स्त्री जाति का सही बोध न होने से वाक्य में त्रुटियाँ आ जाती हैं।

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को लिंग के अर्थ से परिचित कराएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए शब्दों द्‌वारा बच्चों को राजा-रानी, दादा-दादी, अध्यापक-अध्यापिका, धोबी-धोबिन आदि शब्दों के माध्यम से लड़का तथा लड़की जाति के शब्दों को समझाइए।
- ❖ बताएँ, लिंग का अर्थ होता है स्त्री या पुरुष जाति का बोध होना।
- ❖ समझाएँ, हर शब्द में लड़का तथा लड़की रूप होता है। जैसे- माता-पिता, चूहा-चुहिया, धोबी-धोबिन आदि।
- ❖ वाक्य प्रयोग में क्रिया द्‌वारा लिंग अंतर को समझाया जा सकता है। जैसे- रमेश आया। राधा आई।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए स्त्री-पुरुष जाति के शब्दों को पढ़वाएँ।
- ❖ बीच-बीच में बच्चों से स्त्री-पुरुष जाति बताने वाले अन्य शब्द भी पूछते रहें।
- ❖ नर और मादा लिंग के बारे में बताते हुए समझाएँ, कुछ पशु-पक्षियों में नर या मादा शब्द लगाने से उनके लिंग का बोध होता है। जैसे- कोयल - नर कोयल, मछली - नर मछली, तोता - मादा तोता आदि। बताएँ, तोती शब्द अशुद्‌ध है।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाने में बच्चों की यथासंभव सहायता करें।